# SEB Std 10 Hindi Textbook Solutions Chapter 14 मेरी माँ

**GSEB Class 10 Hindi Solutions मेरी माँ Textbook Questions and Answers**

## स्वाध्याय

### 1. निम्नलिखित प्रश्नों के एक-एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

प्रश्न 1.

बिस्मिल की माताजी का सबसे बड़ा आदेश क्या था ?

उत्तर :

बिस्मिल की माताजी का सबसे बड़ा आदेश था कि बिस्मिल के द्वारा किसी की प्राणहानि न हो।

प्रश्न 2.

बिस्मिल की एक मात्र इच्छा क्या थी ?

उत्तर :

बिस्मिल की एकमात्र इच्छा एक बार श्रद्धापूर्वक अपनी माँ के चरणों की सेवा करके अपने जीवन को सफल बनाने की थी।

प्रश्न 3.

बिस्मिल ने वकालत नामे में हस्ताक्षर क्यों नहीं किए ?

उत्तर :

वकील साहब ने बिस्मिल को वकालतनामे में उनके पिताजी के हस्ताक्षर करने के लिए कहा तो यह काम उन्हें धर्मविरुद्ध लगा। इसलिए उन्होंने वकालतनामे में दस्तखत नहीं किए।

प्रश्न 4.

बिस्मिल की माताजी के विचार पहले की अपेक्षा अधिक उदार कब हो गए थे ?

उत्तर :

बिस्मिल की माताजी ने जब पढ़ना-लिखना सीख लिया था और वे देवनागरी पुस्तकें पढ़ने लगी, तब उनके विचार पहले की अपेक्षा अधिक उदार हो गए।

### 2. निम्नलिखित प्रश्नों के दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

प्रश्न 1.

बिस्मिल को अपनी एकमात्र इच्छा क्यों पूरी होती दिखाई नहीं दे रही थी ?

उत्तर :

बिस्मिल की एकमात्र इच्छा थी एक बार अपनी माँ के चरणों की श्रद्धापूर्वक सेवा करके अपने

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

जीवन को सफल बनाना। पर उनकी यह इच्छा पूरी होती नहीं दिखाई दे रही थी, क्योंकि उन्हें फांसी की सजा हुई थी और वे जेल में थे।

प्रश्न 2.
अंतिम समय के लिए बिस्मिल अपनी माँ से क्या वर माँगते हैं ?
उत्तर :
अंतिम समय के लिए बिस्मिल अपनी माँ से यह वरदान मांगते हैं कि वे उन्हें ऐसा वर दे कि अंतिम समय भी उनका (बिस्मिल का) हृदय किसी प्रकार विचलित न हो और वे माँ के चरण-कमलों को प्रणाम कर परमात्मा का स्मरण करते हुए शरीर त्याग कर सकें।

प्रश्न 3.
गुरु गोबिन्द सिंह की पत्नी ने अपने पुत्रों के बलिदान पर मिठाई क्यों बाँटी ?
उत्तर :
गुरु गोविंदसिंहजी के पुत्रों ने गुरु के नाम पर धर्म की : रक्षा करते हुए अपने प्राण त्यागे थे। जब गुरु गोविंद सिंहजी की पत्नी ने यह खबर सुनी तो उनका सिर गर्व से ऊंचा हो गया और उन्होंने इस खुशी में लोगों में मिठाई बांटी।

प्रश्न 4.
बिस्मिल की माँ ने शिक्षा प्राप्त करने के लिए क्या-क्या प्रयत्न किए ?
उत्तर :
बिस्मिल की माँ पहले पढ़ी-लिखी नहीं थी। बिस्मिल के जन्म के पांच-सात साल बाद उन्होंने हिन्दी पढ़ना शुरू किया था। मुहल्ले की अपने घर पर आनेवाली शिक्षित सखी-सहेलियों से वे अक्षर-बोध करती थीं। घर के काम-काज से जो समय मिल जाता, उसी में उनका पढ़ना-लिखना होता था। इस तरह अपने परिश्रम के बल पर थोड़े दिनों में ही वे देवनागरी पुस्तकों का अध्ययन करने लगी थीं।

## 3. निम्नलिखित प्रश्नों के चार-पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए :

प्रश्न 1.
बिस्मिल की आत्मिक, धार्मिक और सामाजिक उन्नति में उनकी माँ का क्या योगदान रहा ?
उत्तर :
बिस्मिल आरंभ में बड़े धृष्ट बालक थे। पिता और दादी से उनकी कभी नहीं बनती थी। उनमें संस्कार भरे तो उनकी मां ने। माँ : के उपदेश बिस्मिल के लिए देववाणी के समान थे। माँ ने ही उनमें दया और सेवा की भावना जगाई। मां के प्रोत्साहन से ही बिस्मिल में धर्म : के प्रति रुचि उत्पन्न हुई।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

कभी स्नेह से और कभी हल्की ताड़ना से मा ने उनमें तरह-तरह के सुधार किए। मां ने पुत्र को आर्यसमाज में प्रवेश करने का समर्थन किया। इतना ही नहीं समाजसेवा की समितियों में भी पुत्र को कार्य करने की प्रेरणा दी। लखनऊ काँग्रेस में शामिल होने के लिए माँ ने बिस्मिल को खर्च दिया। इस प्रकार यह कहने में जरा भी अतिशयोक्ति नहीं कि बिस्मिल को बिस्मिल उनकी माँ ने बनाया। माँ के कारण ही बिस्मिल की आत्मिक, धार्मिक और सामाजिक उन्नति में गणना हो सकी।

प्रश्न 2.
बिस्मिल की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ?
उत्तर :
श्री रामप्रसाद बिस्मिल में आरंभ से ही कुछ असाधारण गुण थे। वे सत्य के प्रेमी थे। इस गुण ने उन्हें दृढ़ सिद्धांतवादी बना दिया था। जो वस्तु धर्मविरुद्ध हो, उसे वे कभी स्वीकार न करते थे। मुकदमा खारिज हो जाने की उन्होंने परवाह नहीं की, पर वकालतनामे पर पिता के हस्ताक्षर नहीं किए। वे आर्यसमाज की विचारधारा को मानते थे और अपनी माँ और गुरु सोमदेव के सिवाय किसी को महत्त्व नहीं देते थे।

साधारण मनुष्यों की भाँति संसार-चक्र में फंसकर जीना उन्हें पसंद न था। उन्हें किसी भी प्रकार के भोग-विलास तथा ऐश्वर्य की इच्छा नहीं थी। उन्हें देशसेवा की लगन थी। जिस तरह उन्हें अपनी जन्मदात्री माँ से अगाध प्रेम था, उसी तरह वे भारतमाता के चरणों की भी सेवा करना चाहते थे। अंत में भारतमाता की सेवा करने में उन्होंने अपने प्राणों की बलि दे दी।

प्रश्न 3.
आपको बिस्मिल की माता के किन गुणों ने सबसे अधिक प्रभावित किया और क्यों ?
उत्तर :
बिस्मिल की मां विवाह के समय ग्यारह वर्ष की एक अनपढ़ कन्या थीं। समय बीतने पर घर-गृहस्थी का भार सुचारु रूप से वहन करते हुए उनमें पड़ने का स्वतः शौक जागा। सखी-सहेलियों से अक्षरज्ञान पाकर श्रम और अभ्यास करके कुछ ही समय में देवनागरी पुस्तकें पढ़ने लगी। अध्ययन से उनमें तेजस्वी विचार उत्पन्न हुए। देश और समाज के प्रति उनमें सोच उत्पन्न हुई। माँ ने बड़े प्रेम से और दृढ़ता से पुत्र के जीवन का सुधार किया। मां के कारण ही बिस्मिल देशसेवा में संलग्न हो सका।

माँ ने ही पुत्र बिस्मिल के धार्मिक जीवन में भी सहायता की। पुत्र को आर्यसमाज में जाने का समर्थन किया। माँ के कारण ही बिस्मिल में साहस का भाव जागा। यह माँ की प्रभावशाली शिक्षा का ही परिणाम था कि बिस्मिल न केवल अपनी जन्मदात्री मां का बल्कि भारतमाता का महान पुत्र बन सका। सचमुच, बिस्मिल की माँ एक आदर्श माँ थी। उनके ये दुर्लभ गुण हमें प्रभावित किए बिना नहीं रहते।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

## 4. निम्नलिखित शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द लिखिए :

प्रश्न 1.

1. विरोध × .....
2. खर्च × .....
3. आरंभ × .....
4. उत्साह × .....
5. सद्व्यवहार × .....
6. उत्तर × .....

उत्तर :

1. विरोध × समर्थन
2. खर्च × आमदनी
3. आरंभ × अंत
4. उत्साह × अनुत्साह
5. सद्व्यवहार × दुर्व्यवहार
6. उत्तर × प्रश्न

## 5. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए :

प्रश्न 1.

1. माँ - .....
2. संकट - .....
3. सत्य - .....
4. ऋण - .....
5. परमात्मा - .....

उत्तर :

1. माँ - जननी
2. संकट - दुःख
3. सत्य - सच
4. ऋण - कर्ज
5. परमात्मा - ईश्वर

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

## 6. अर्थ की दृष्टि से वाक्य के प्रकार बताइए :

प्रश्न 1.

1. मैं बड़े उत्साह के साथ सेवा समिति में सहयोग देता था ।
2. अब मैं तुमसे नहीं मिल सकूँगा ।।
3. परमात्मा जन्म-जन्मान्तर ऐसी ही माता दे ।
4. क्या मैं कभी तुम्हारा कर्ज चुका सकूँगा ।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in